<u>प्रारंभिक संबोधन</u>

सत्र - 182

25 फरवरी, 2016

माननीय नेता, सत्तारूढ़ दल
माननीय नेता, विरोधी दल
मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यगण
बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण

बिहार विधान परिषद् का 182वां सत्र आज से आरंभ हो रहा है। इस अवसर पर मैं माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्री, माननीय संसदीय कार्य मंत्री एवं मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। बिहार विधान परिषद् के माननीय नेता, विरोधी दल, विभिन्न दलों के माननीय नेतागण, माननीय सचेतकगण तथा माननीय सदस्यगण का हार्दिक स्वागत करता हूं, साथ ही, लोकतंत्र के प्रहरी प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकार-छायाकार प्रतिनिधियों का भी स्वागत करता हूं।

बिहार विधान परिषद् का यह बजट सत्र कुल 23 बैठकों का है। सत्र लंबा है। मुझे विश्वास है कि इस सत्र में लोकहित एवं राज्य के विकास से संबंधित अधिक से अधिक विषयों को सदन के पटल पर लाया जाएगा। आशा है कि माननीय सदस्यगण अपनी सक्रिय भागीदारी द्वारा इस सत्र को सफल बनाने में अपनी भूमिका अदा करेंगे।

पिछले महीने गांधीनगर (गुजरात) में अखिल भारतीय विधायी निकायों के पीठासीन पदाधिकारियों के सम्मेलन में, मैंने भाग लिया जिसमें लोकतंत्र की महत्ता एवं सदन में वाद-विवाद के स्तर को ऊंचा बनाए रखने पर भी विशेष विचार-विमर्श हुआ।

अवधेश नारायण सिंह

सभापति
बिहार विधान परिषद्

सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रश्नकाल को निर्विघ्न रखा जाए। साथ ही इस बात पर भी सहमति बनी कि सदन में बहस के दौरान असामान्य स्थिति में भी समझदारी एवं आपसी तालमेल से लोकतंत्र की मर्यादा को बनाए रखा जाए। किसी भी परिस्थिति में सदन की कार्यवाही पूरी तरह चले ताकि वाद-विवाद के माध्यम से समस्याओं का निबटारा किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि राज्य की समस्याओं के प्रति हम सभी गंभीर एवं चिंतित हैं। इसलिए दलगत भावना से ऊपर उठकर हम सभी एकमत होकर बिहार राज्य के हित में सदन में एकजुट होकर कार्य करें ताकि राज्य का प्रत्येक तबका लाभान्वित हो सके।

पिछले सत्रों की तरह इस सत्र में भी माननीय सदस्यगण, परिषद् सचिवालय के पदाधिकारी-कर्मचारीगण तथा मीडिया के प्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा रखता हूं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं एक बार फिर आप सभी का स्वागत करता हूं।

धन्यवाद ।

अवधेश नारायण सिंह

25 फरवरी, 2016